ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक-13 अक्टूबर-I-2018 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

'इनर स्पेस' करायेगा इनर वर्ल्ड का साक्षात्कार

दादी ने किया इनर स्पेस का उद्घाटन

हैदराबाद। शांति सरोवर के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन के अवसर पर लोगों को मॉडर्न मेडिटेशन की सुविधा प्रदान करने हेतु ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी द्वारा एक भव्य 'इनर स्पेस' बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मोहम्मद महमूद अली, तेलंगाना लेजिस्लेटिव काउंसिल के चेयरमैन स्वामी गौड़, पूर्व यूनियन मिनिस्टर बंडारू दत्तात्रय, ब्र.कु. मृत्युंजय आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'इनर स्पेस' के बारे में...

'इनर स्पेस' अपने भीतरी ज्ञान की खोज करने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। जहाँ मेडिटेशन हेतु कई आधुनिक सुविधायें हैं जो ब्रह्माकुमारीज़ के शांति सरोवर परिसर के लिए एक नवीन और अद्भुत चीज़ है।

यहाँ भरपूर जगह और बेहद को महसूस करने हेतु इसे बहुत खुला और आरामदायक बनाया गया है और इसकी छत भी बहुत ऊँची बनाई गई है। ये चारो ओर से सुंदर दृश्यों जैसे वृक्ष तथा बगीचों से घिरा हुआ है। ये आध्यात्मिक शिक्षण तथा योग की गहन अनुभूति हेतु एक उत्तम स्थान है जहां हम स्वयं को रिलैक्स, रीचार्ज और रीडिस्कवर कर सकते हैं।

इस भवन का निर्माण विशेष रूप से मॉडर्न सोसायटी तथा यंगर जनरेशन को लॉजिकल एवं साइंटिफिक रूप में स्पीरिचुअलिटी तथा मेडिटेशन को समझाने हेतु किया गया है।

दादी के साथ 'इनर स्पेस' का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री मो. महमूद अली तथा अन्य।

इनर स्पेस की विशेषतायें :

एक सुंदर मेडिटेशन रूम- इनर सेल्फ की लेबोरेट्री, जहाँ शीतलता तथा मधुरता की अनुभूति हेतु एक बहुत खूबसूरत तालाब का निर्माण किया गया है।

क्लासी डिस्प्ले रूम, जहाँ प्राचीन राजयोग मेडिटेशन की विभिन्न अवधारणाओं को सुंदर चित्रकारियों द्वारा दर्शाया गया है। जिससे हमें पता चलता है कि प्राचीन राजयोग कैसे आज के समाज और आज के रहन सहन में भी मददगार है।

स्टेट ऑफ आर्ट-ऑडियो विज़ुअल रूम, जहाँ एक सौ चालीस लोगों के बैठने और सुंदर योगानुभूति करने हेतु बड़े त्री-डी प्रोजेक्शन सिस्टम की व्यवस्था है।

त्री-एस ज़ोन- सिनर्जी ऑफ साइंस एंड स्पीरिचुअलिटी, जहाँ आध्यात्मिक अवधारणाओं को साइंटिफिक रूप से जानने की व्यवस्था है।

इसके साथ ही त्री-एम ज़ोन : माइंड, मैटर एंड मेडिटेशन, स्पीरिचुअल लाइब्रेरी, एक्सक्ल्यूज़िव कोर्स रूम्स तथा लिटरेचर काउंटर की भी व्यवस्था है।

गौरव यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने लिया दादी से आशीर्वाद

शांतिवन। राजस्थान गौरव यात्रा के आबू रोड पहुंचने पर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिक राजयोगिनी दादी जानकी जी से स्नेह मुलाकात की। इस दौरान दादी ने शॉल, श्रीफल और परमात्म बैज पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। साथ हैं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी।

हादसे रोकने में अध्यात्म और योग को बताया ज़रूरी

यातायात प्रभाग के चार दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन का सफल आयोजन

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात प्रभाग द्वारा 'स्पीड, सेफ्टी, स्पीरिचुअलिटी' विषय पर आयोजित चार दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर संगठन की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने वीडियो संदेश के जरिए अतिथियों को अध्यात्म की गहराई में जाने को प्रेरित किया। जिसके पश्चात् सम्मेलन की शुरुआत हुई। पश्चिमी रेलवे चीफ कमर्शियल मैनेजर इति पांडेय ने कहा कि राजयोग से मन की एकाग्रता बढ़ने से कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है।

केंद्रीय रेवले मुख्य टेलिकॉम अभियंता एस.पी. उपाध्याय ने कहा कि कम समय में लंबी यात्रा की चाह बढ़ने से तनावजन्य परिस्थितियों में भी इज़ाफा हो रहा है। ऐसी स्थिति में समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए मानसिक धरातल को अध्यात्म के ज़रिए शान्ति से परिपूर्ण करने की ज़रूरत है।

प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्यप्रभा ने कहा कि हर मनुष्य को जीवन में आध्यात्मिकता की इच्छा होती है, लेकिन वैसा माहौल उपलब्ध न होने से मनुष्य के स्वभाव, संस्कार विकृत होने लगते हैं। एस. प्रमिला, डी.आई.जी., राजस्थान पुलिस (ट्रेनिंग) जयपुर ने कहा कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मन को समर्थ व सकारात्मक सोच से भरना होगा। इसके लिए राजयोग कारगर माध्यम है। दुर्घटनाओं से आर्थिक हानि के साथ परिवार भी बिखर जाते हैं।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. कुंती, इति पांडेय, पूजा मेहरा, एस.पी. उपाध्याय, ब्र.कु. दिव्यप्रभा, ब्र.कु. सुरेश तथा अन्य गणमान्य अतिथि।

हरियाणा टूरिज़्म कॉर्पोरेशन महाप्रबंधक दिलावर सिंह ने कहा कि टूरिज़्म के लिए तीन बातें अट्रैक्शन, एकॉमोडेशन व ट्रैवल जरूरी होती हैं, उसी तरह से जीवन के टूरिज़्म में सेफ्टी, स्पीरिचुअलिटी, सही स्पीड को संतुलित रखने के लिए अध्यात्म को अपनाना आवश्यक है। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. कुंती ने कहा कि ज़िंदगी के रिश्तों की डोर में माधुर्य बनाए रखने, जीवन को विकृतियों से सुरक्षित रखने के लिए नियमों का पालन ज़रूरी है। एन.टी.पी. कॉर्पोरेट डायरेक्टर पूजा मेहरा, प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुरेश, राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. बिन्दू, ब्र.कु. मोतीलाल आदि ने भी जीवन को मूल्यों से संवारने के लिए अध्यात्ममय जीवनशैली के सूत्र बताये।

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक विचार पर दादी जानकी ने दिया ज़ोर

'माइंड, बॉडी व मेडिसिन' पर त्रिदिवसीय सम्मेलन में हज़ारों चिकित्सक हुए शरीक

अधिकतर व्याधियों की उत्पत्ति कमज़ोर मन की रचना

दादी जानकी, डॉ. अर्चना ठाकुर, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. बनारसी, ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अतिथिगण।

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि बदलती जीवनशैली को देखते हुए मन को धैर्यवान बनाने की बहुत ज़रूरत है। किसी भी बात को लेकर मन में हलचल नहीं होनी चाहिए। हमेशा सकारात्मक विचारों को प्राथमिकता देकर मन को मेडिटेशन द्वारा पवित्र बनाने से व्याधियों से तन अप्रभावित रहता है।

दादी चिकित्सा सेवा प्रभाग द्वारा 'माइंड, बॉडी व मेडिसिन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में देश भर से आये चिकित्सकों को सम्बोधित कर रही थीं।

दिल्ली जी.बी. पंत अस्पताल निदेशक डॉ. अर्चना ठाकुर ने कहा कि जिस प्रकार घोर अंधकार को मिटाने में एक छोटी सी ज्योति पर्याप्त है, उसी प्रकार मन की बीमारियों के अंधकार को मिटाने के लिए आत्मज्योति को आलोकित करने की ज़रूरत है।

अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज़ फेम व जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि अधिकतर व्याधियों की उत्पत्ति मानव अपने कमज़ोर मन से करता है। नकारात्मक संकल्प बीमारियों को आमंत्रित करते हैं। सकारात्मक सोच व दृष्टिकोण से मन में अलौकिक ऊर्जा की रचना बढ़ती है। चिकित्सा प्रभाग उपाध्यक्ष मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल ने कहा कि इस संसार के विचारों की दुनिया से परे निर्विचार की दुनिया की अनुभूति करने से कर्मक्षेत्र के हर कर्म यथार्थ होने लगेंगे। आध्यात्मिक विचारों के आकाश में उड़ान भरने से अद्भुत परमात्म शक्तियों की वर्षा होने से मन का मैल धुलने लगेगा।

ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चा की जानकारी दी।

चिकित्सा प्रभाग सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की इच्छाओं को मन में स्थान देने से विश्वकल्याण की भावनाओं को मूर्तरूप दिया जा सकता है।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि तन के दर्द को मिटाने के लिए दवाई तो नज़र आती है, लेकिन मन के दर्द से छुटकारा प्राप्त करने का मेडिटेशन ही एकमात्र दवाई है।

कार्यक्रम में ग्लोबल अस्पताल के मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. श्रीमंत साहू, ग्लोबल अस्पताल फिज़िशियन डॉ. सचिन सुखसोले, मुम्बई से आईं डॉ. अल्पा शाह, जलगांव के परेश, हैदराबाद से आए के. क्रांतिश्री व डॉ. नीता पटेल ने भी विचार व्यक्त किये।

'माइंड, बॉडी, मेडिसिन' विषयक सम्मेलन में उपस्थित हैं देश भर से आये हज़ारों वरिष्ठ चिकित्सक।